पुलिस मित्र अभियान का बहिष्कार करो!

हमारे जानी दुश्मन हमारे मित्र कैसे हो सकते हैं?

कतई नहीं.

इन दिनों पुलिस विभाग द्वारा गांवों, थानों व कैंपों में बैठक आयोजित कर पुलिस मित्र अभियान चलाया जा रहा है. 'अपराधों–अपराधियों, संदिग्ध व्यक्तियों', गांवों में आने–जाने वालों से लेकर गांव की हर गतिविधि तक की सूचना देने आदि काम सौंपते हुए पुलिस मित्र दलों का गठन किया जा रहा है. जो हमारे भाई–बहनों, हमारी प्यारी संतान को मारते हैं, हमारा कत्लेआम करते हैं, हमारी मांओं, बहनों, बहु–बेटियों के साथ अत्याचार करते हैं, हमारी संपत्ति लूटते हैं, हमारे गांव व घरों में तबाही मचाते हैं वे हमारे मित्र कैसे हो सकते हैं?

क्या पुलिस वाकई में जनता को मित्र बनाने के इरादे से आ रही है?

नहीं, नहीं.

जनता के बीच में जो मित्रता व एकता कायम है उसे भंग करने के लिए. एक दूसरे पर शक पैदा करने के लिए. हर किसी को घर का भेदी बनाने के लिए. हर गांव को अपनी मुट्ठी में बांधने के लिए. अब किसी के घर में मेहमान आता है, तो वो संदिग्ध बन जाएगा. पुलिस यह सब इसलिए कर रही है कि गांव में ऐसी कोई गतिविधि न हो जो उसकी जानकारी में न हो. साफ है कि क्रांतिकारी आंदोलन की गतिविधियों को रोकने व उनके बारे में सूचनाएं एकत्रित करने का इरादा इसके पीछे छुपा है.

चूंकि क्रांतिकारी आंदोलन जनता के लिए जारी है इसलिए इसके विरोध में गठित किए जाने वाले पुलिस मित्र दलों में शामिल होने का मतलब है, पुलिस का मुखबिर और जनता का शत्रु बनना.

क्या कोई शरीफ आदमी पुलिस मुखबिर/जनता का शत्रु बनना चाहता है?

बिलकुल नहीं!

क्या अपनी आंखों को अपने ही हाथों से फोड़ने तैयार होंगे?

बिल्कुल ही नहीं.

आप लोग इस विषय से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि दंडकारण्य में विगत 38 वर्षों से भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नेतृत्व में जल, जंगल, जमीन के लिए जनता लड़ रही है. जनता द्वारा संचालित जन युद्ध व जन संघर्ष के फलस्वरूप गांव–गांव में गठित क्रांतिकारी जनताना सरकारों द्वारा जनता के असली विकास के लिए कोशिश की जा रही है. यह कहने की जरूरत नहीं है कि यह लड़ाई साम्राज्यवादियों, देशी विदेशी बड़े पूंजीपतियों, जमींदारों जो यहां की सारी संपत्ति व संसाधनों को हड़पने की कोशिश कर रहे हैं, के खिलाफ है. इसलिए क्रांतिकारी आंदोलन व जनताना सरकारों को कुचलने के मकसद से शासक वर्गों द्वारा पहले से ही अपने हथियारबंद बलों का इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके तहत दिन–ब–दिन सशस्त्र बलों की तादाद बढ़ रही है. कॉरपेट सेक्युरिटी के तहत गांव–गांव में सशस्त्र बलों के कैंप बिठाए जा रहे हैं. शासक वर्गों को अच्छी तरह पता है कि वो सिर्फ अपने हथियारबंद बलों के जरिए ही किसी भी क्रांतिकारी आंदोलन का उन्मूलन नहीं कर सकते हैं. इसलिए वे अपनी षड़यंत्रपूर्ण कम तीव्रता वाली युद्ध नीति पर अमल कर रहे हैं. इसके तहत जनता व हमारे निर्माणों के बीच से ही मुखबिर बनाने की योजना पर जोर दे रहे हैं. हरेक गांव में 10 मुखबिर बनाने में फोर्स लगी है. पुलिस, सीआरपीएफ, आइटीबीपी, बीएसएफ, डीआरजी वाले अलग–अलग मुखबिर नेटवर्क बना रहे हैं. इन मुखबिरों के जरिए ही सूचनाएं इकट्ठी करके हमारे आंदोलन को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं. इनकी सूचनाओं पर आधारित होकर ही हमारे जन संगठनों, सेल, जीपीसी, जनताना सरकारों के कार्यकर्ताओं, नेताओं को पकड़ना, गोली मारना, आत्मसमर्पण करवाना, झूठी मुठभेड़ों में गाली मार कर हत्या करना आदि जारी हैं. पुलिस की आंख और कान ये मुखबिर ही हैं.

छत्तीसगढ़ राज्य में विगत की भाजपा सरकार द्वारा प्रारंभ 'समाधान' हमले के तहत ही नव गठित कांग्रेस सरकार पुलिस मित्र दलों का गठन करते हुए अपने आप यह साबित कर रही है कि क्रांतिकारी आंदोलन को कुचलने में वह विगत की भाजपा के नक्शे कदम ही चलने वाली है.

इसलिए सभी उत्पीड़ित वर्गों व तबकों की जनता से हमारी अपील है कि इन षड़यंत्रकारी कार्यक्रमों का बहिष्कार करें. अपनी समस्याओं के असली समाधान के लिए संघर्ष के रास्ते में आगे बढ़ें. क्रांतिकारी आंदोलन के पक्ष में खड़े होवें, जनताना सरकारों को बचाए रखने व मजबूत करने एवं उनका विस्तार करने में मदद देवें.

क्रांतिकारी अभिनंदन के साथ,

दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

दिनांक – 30 जनवरी 2019

पुलिस मित्र अभियान किन बहिष्कार कीमुट!

दुश्मन लोरू बेस्केने मन किन गोतितोर आयतोरा?

बिल्कुल आयोर.

नेण्ड पुलिस विभाग तोर नाहकुने, थानांग ने ओसो कैंपकुने मीटिंग ताकी कीसि पुलिस मित्र (पुलिस तोरा गोतितोर) अभियान ताकि कियामंतोर. अपराध कीवालोर–अपराधिर, संदिग्ध (डवट) तोरकिन, नाहकुने दाया–वायवलोरा बारे ते ओसो नाटे ना हर कामकाज ता बारे ते खबर हियालासि पुलिस मित्र इंजि दलकु बना किया मंतोर. मावा तम्मुर–दादाल, जीवाता मेयास्क–मरक किन हौवकनोर, अयाल, एलास्क, आड़ तुन–पिल्ला तुन पुनवा अत्याचार, बलात्कार कियनोर, मावा संपत्ति किन लूटी कीसि होयनोर, मावा नाहकुने ओडियसी लोहकिन बोडसानोर, मुट्टि कियनोर मावा गोतितोर आंतोरा?

पुलिस तोर सही ते जनता ना संगे गोति कियलासि वायमंतोरा?

आयो, आयो.

जनता लोपा आपस ते मंदना गोति तुन ओसो एकता तुन मापालासि वायमंतोर. ओयतुरिन पोर्रो ओयतुर किन डवट पुट्टिकियलासी वायामंतोर. मनवा लोहता पोल्लो पुलिस तोरिन एवसियना लेहका तोरिन बनाकीयला वायमुंतोर पूरा नार दुन तमा मुट्ठि ते पोयलासि वायमुंतोर. इंजे बोराय माने दूसरा लोहते सगावातेके वेने ओनकिन डवट किंतोर. पुलिसतोर पुनवा लेवा नाटेना बेदे काम ताकनायो इंजि इद्रम कियामंतोर. क्रांतिकारी आंदोलन ता हर काम तुन रोके कियलासि ओसो ताना बारे ते समाचार एतालासिये इद्रम कियामंतोर.

पुलिस तोरा गोतियाल बनेमायना इतेके पुलिस मुखबिर/जनता ना दुश्मन बनेमायनादे.

बोराय बेसता मानेय पुलिस मुखबिर/जनता ना दुश्मन बनेमांतोरा?

बिल्कुल आयोर!

अपुना कोण्डा किन अपुना कैयकुने कोहकला बोराय तैयार आंतोरा?

बिल्कुले आयोर.

दण्डकारण्य लोपा अत्ता 38 सालकुनल भारत ता कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) नेतृत्व ते जल, जंगल, जमीन पोर्रो हक–अधिकार काजे जनता लड़ेमायमंतोर. उचुक इलाकाने क्रांतिकारी जनताना सरकारकु गठन आसि जनता ना असली विकास काजे कोशिश किया मंतांग. इगड़ा पूरा संपत्ति ओसो संसाधन किन लूटी कीसि ओयलासि साम्राज्यवादीर, देशता–विदेशता बेहरा पूंजीपतिर, जमींदारिर कोशिश कियामंतोर. इद लड़ाई ओरा खिलाफ तेने इंजि मीटु वेने बेस पुत्तिर. अदिन काजे क्रांतिकारी आंदोलन ओसो जनताना सरकारकुन खत्म कियलाय लूटी वर्गकुनोर पुलिस अर्ध–सैनिक बल किन इस्तेमाल किया मंतोर. अदे हिसाब ते रोज–रोज पुलिस अर्ध–सैनिक बल किन बेरसी किया मंतोर. कॉरपेट सेक्युरिटी हिसाब ते नाहक–नाहक ने पुलिस कैंपकु तासामंतोर. मति सिर्फ पुलिस अर्ध सैनिक बलकुना संगेने क्रांतिकारी आंदोलन किन मापला परोम इंजि सरकार समझेमत्ता. अदिन काजे शड़यंत्रपूर्ण एल.आई.सी (कम तीव्रता वाला युद्ध) नीति तुन अमल कियामंता. इदेना हिसाब तेने दुश्मन जनता ओसो मावा निर्माण कुना लोपाने पुलिस मुखबिर बना कीसोर मंतोर. हर नाटे 10 जन मुखबिर लोरिन तैयार कीयकोम इंजि वेहतामंतोर. पुलिसतोर, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ, डीआरजी गुण्डालोर अलग–अलग तरिका ते मुखबिर नेटवर्क किन पंडा मंतोर. मावा आंदोलन तुन खत्म कियलासि मुखबिर लोर हित्ता समाचार एतिसी हमलांग कियामंतोर. मुखबिर लोर समाचार तुन एतिसी समाचार ता आधार ते मावा जन संगठनकु, सेल, जीपीसींग, जनताना सरकारकुना कार्यकर्तालोर, नेतालोर किन पोयदमंतोर., हौवकमंतोर, आत्मसमर्पण किया वेहमंतोर, झूठी मुठभेड़ ते हौवकामंतोर. मुखबिर लोर पुलिस तोरा कोण्डा ओसो केवक लेहका काम कियांतोर.

छत्तीसगढ़ राज्य ते मुन्नेटा भाजपा सरकार शुरू कीत्ता 'समाधान' हमला किन जारी किसोरे इंजे सत्ता ते वत्ता कांग्रेस सरकार 'पुलिस मित्र' दलकुना गठन कियमंता. इत्तेके मुन्नेटा भाजपा सरकार ता हरिदेने इंजेटा सरकार वेने ताकिंता इंजि समझेमायमंता.

अदिन काजे सब्बे उत्पीड़ित वर्गकुनोर ओसो तबकांग ना जनता इव धोकाबाजी कार्यक्रम कुन बहिष्कार कीमुट. अपुना–अपुना समस्यांग ना असली समाधान काजे संघर्ष हरिदे मुन्ने वायकीर. क्रांतिकारी आंदोलन वड़का गट्टिंग निच्ची, जनताना सरकारकुन बचा कियलाय अविन मजबूत ओसो विस्तार कियला मदत हीमुट इंजि मावा पार्टी अपील किया मंता.

क्रांतिकारी अभिनंदन संगे,

दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

दिनांक – 30 जनवरी 2019